16.ECOMONICS

INTRODUCTION:

Socio-economic changes take place rapidly in our developing society. An understanding of the economic forces which influence our daily life is essential for a successful living. Elementary knowledge of Economics has; therefore, been introduced in the new curriculum as an elective subject in Class X.

The approach in the teaching of the subject at this stage is not to emphasize the principles of economics so much as the current problems and issues that affect the everyday life of the common man. Some of these current problems relate to the influence of natural resources, agriculture and industry on our economic life, the role of the Government in economic development, and the crucial issues of population, the unemployment and price trends in the context of India economy. An introductory course of this type would provide necessary preparation for a more systematic course at the higher secondary stage.

OBJECTIVES:

(A) General Objectives :

1. To provide an intelligent understanding of various economic problems of country and the state of the students and help them to understand the efforts being made to solve them.
2. To give an insight into the special problems of the development of hill areas of Himachal Pradesh and to inculcate in them attitude towards conservation and proper use of the scarce natural resources.

(B) Specific Objectives :

1. To acquaint students with the contemporary economic problems and to help them appreciate the efforts being made to solve these problems at local and national levels.
2. To foster an urge among students for effective participation in the tasks of national reconstruction.

पुस्तक हमारी अर्थव्यवस्था एक परिचय

हि. प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित

एक प्रश्न पत्र **अंक 80**
सयम : 3 घण्टे

अध्याय–4 आर्थिक विकास की ओर

कम विकसित देशों में बेरोजगारी की समस्या–भारतीय अर्थव्यवस्था की कार्यशील जनसंख्या–भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का स्थान–ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका का स्त्रोत–राष्ट्रीय आय और कृषि का योगदान–सरकारी राजस्व में कृषि का योगदान–ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार–उद्योगों का योगदान–खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति–कृषि और भारत का निर्यात व्यापार–कृषि एवं आर्थिक विकास कृषक परिवार–भूमि सूधार मध्यस्थों की समाप्ति जोतों की चकबन्दी–भू, जोत की अधिकतम सीमा–कृषि श्रमिक–कृषि निविष्टियां (इन्पुट्स) कृषि मे नई तकनोलॉजी–उपलब्धियों–खाद्य समस्या–कृषि उत्पादकता–भारतीय कृषि के लिए भावी संभावना–औद्योगिक विकास–कृषि और उद्योग की पूरकता–तीव्र औद्योगीकरण एवं संतुलित औद्योगिक ढांचे की अवश्यकता–वर्तमान औद्योगिक ढांचा–भारत के गांवों में कुटीर उद्योग–लघु पैमाने के उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए उठाए गए कदम–अद्योगों में प्रादेशिक विषमताएँ–औद्योगिक उत्पादकता एवं कार्यकुशलता–उद्योगों की अकार्यकुशलता एवं निम्न उत्पादकता के कारण–औद्योगिक विकास की भावी संभावनाएं–विदेशी व्यापार–भारत की अर्थव्यवस्था में विदेशी व्यापार का महत्तव–भारत के निर्यातों और आयातों की दिशा।

अध्याय : 5 राज्य एवं आर्थिक विकास

आर्थिक विकास के संवर्धन में राज्य की भूमिका–राज्य द्वारा हस्ताक्षेप की विधियां–राजकोषीय नीति–मौद्रिक नीति–उत्पादन एवं वितरण पर सार्वजनिक नियंत्रण–औद्योगिक लाइसेंसिग सार्वजनिक वितरण एवं राशनिंग–आर्थिक नियोजन आवश्यकता एवं उद्देश्य–नियोजन की रणनीतियाँ–नियोजन एवं लोग– योजनाओं के अर्न्तगत आर्थिक विकास–नब्बे के दशक के लिए नियोजन।

हिमाचल की अर्थव्यवस्था

हिमाचल प्रदेश का आर्थिक विकास :

इकाई–11

अध्याय–14	कृषि, बागवानी
अध्याय–15	पशु पालन व डायरी विकास, मछली पालन
अध्याय–16	भूमि कटाव व भू–संरक्षण, भूमि सुधार
अध्याय–17	सहकारिता
अध्याय–18	औद्योगिक विकास
अध्याय–19	प्रमुख उद्योग
अध्याय–20	जनसंख्या बेरेजगारी
अध्याय–21	पंचवर्षीय योजना